सेन्ट्रल जोन इंश्योरेन्स एम्पलाईज एसोसियेशन

(ए.आई.आई.ई.ए. से सम्बद्ध)

प्रभांजलि, 33, आर.डी.ए. कालोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)

अध्यक्ष : का. एन. चक्रवर्ती

महासचिव : का. बी. सान्याल

परिपत्र क्र. : 01/2014

दिनांक : 01.01.2014

मध्य क्षेत्र के समस्त बीमा कर्मियों के नाम

प्रिय साथियों,

विषय : अभिनंदन वर्ष 2014।

नववर्ष 2014 के इस अवसर पर हम देश के एवं विश्व के समस्त मेहनतकश अवाम के साथ ही साथ मध्यक्षेत्र के समस्त बीमा कर्मचारियों को तहेदिल से शुभकामनाएं प्रेषित करते हैं।

नये वर्ष का इस्तेकबाल करें, इससे पूर्व, अलविदा हुए साल पर गौर करें तो हम महसूस करते हैं कि, मेहनतकश वर्ग के लिये केवल पिछला वर्ष ही नहीं बल्कि विगत 20-22 वर्ष का अनुभव बहुत ही भयावह रहा है। इसकी वजह भी बहुत स्पष्ट है। वर्ष 1990 में सोवियत संघ के पराभव के बाद दुनिया के मानचित्र पर अमेरिकी साम्राज्यवाद का दबदबा कायम हुआ, वहीं से शोषण, दमन, गरीबी, बेरोजगारी, आर्थिक संकट एवं असमानताएं, अमन और शांति के नाम पर युद्ध आदि देखने को मिला। इन सबकी जनक नि:संदेह नवउदारवाद की नीति ही है जिसका परिणाम दुनिया के हर आम इंसान को भोगना पड़ रहा है। 2008 में पूरी दुनिया को अपनी गिरफ्त में लेने वाली आर्थिक महामंदी, जिसके जल्द ही समाप्त हो जाने के खोखले दावे किये गये थे, आज भी बदस्तूर जारी है। इस त्रासदी का असर निश्चित ही युवाओं पर पड़ रहा है। वैश्विक स्तर पर वर्तमान में बेरोजगार नौजवानों की संख्या लगभग 7.38 करोड़ हैं। आने वाले वर्ष में इसमें 5 लाख का और इजाफा होने का अनुमान है।

इसी प्रकार विगत वर्षों में आर्थिक असमानताएं भी दुनिया के पैमाने पर तीव्र से तीव्रतर हुई हैं। अनेक मुल्कों में आय का अंतर बढ़ा है। ''फोर्ब्स'' पत्रिका के अनुसार विश्व के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में पहले अमेरिका के 421 खरबपतियों के नाम है, उसके बाद रूस के 96, चीन के 95 तथा भारत के 48 खरबतियों के नाम दर्ज किये गये हैं।

विगत वर्षों में साम्राज्यवादी लूट और वैश्विक मंदी की आड़ में आम जनों के सामाजिक सुविधाओं पर तीव्र आक्रमण के खिलाफ समूचे विश्व में तीव्र हुये संघर्षों में भी इसकी गूंज सुनाई पड़ी है। हालांकि विगत वर्ष हमने साम्राज्यवाद के खिलाफ संघर्ष के महान योद्धा वेनेजुएला के राष्ट्रपति का. शावेज को खोया। उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद पर रहते हुए वेनेजुएला की अवाम को स्वास्थ्य एवं शिक्षा की ऐसी सुविधाएं मुहैया करायी वह अपने आप में एक मिसाल है। लेकिन उनके सपने को पूरा करने का संग्राम आज भी जारी है।

इन सबके बावजूद जो सकारात्मक पहलू है वह है पूंजीवाद और साम्राज्यवाद के खिलाफ जनअसंतोष का उभरना और आम जनता द्वारा आन्दोलन में हिस्सेदारी करना। नये वर्ष में निश्चित तौर पर इसका असर और भी प्रभावशाली होगा शोषण और दमन के विरोध में स्वर और भी बुलंद होगा जो अंतत: व्यवस्था परिवर्तन की ओर जायेगा, यह हमारा विश्वास है।

वर्ष 2013 को देश के मेहनतकश वर्ग के नजरिये से देखने से महसूस होता है कि कांग्रेसनीत यूपीए-2 सरकार हर स्तर पर असफल रही है। हर तरफ अराजकता की स्थिति नजर आ रही है, महंगाई सारे रिकार्ड तोड़ कर अपने चरम पर है, सरकार इस विकराल समस्या को समस्या ही मानने को तैयार नहीं है। आमजन हर लिहाज से त्रस्त है, परेशान है। बेरोजगारी लगातार बढ़ रही है, स्वास्थ्य सुविधा के अभाव में निर्धन, असहाय मौत के आगोश में समा रहे हैं, भ्रष्टाचार में सरकार के मंत्री सहित बड़े-बड़े अधिकारी लिप्त हैं लेकिन यूपीए-2 सरकार कुंभकर्णी निद्रा में सो रही हैं। वहीं प्रमुख विपक्षी दल भाजपा नवउदारीकरण नीति का समर्थक होने की वजह से यूपीए-2 को

अनेक मामलों में अपना समर्थन देने के लिये तैयार रहती है, पीस रही है तो केवल अन्य मेहनतकश वर्ग। मेहनतकश वर्ग द्वारा दस सूत्रीय मांगों को लेकर दो दिवसीय अभूतपूर्व हड़ताल और हाल ही में 12 दिसम्बर को लाखों मेहनतकशों के संसद मार्च से यह साफ है कि मेहनतकशों के संघर्षों का कारवां नवउदारवाद की नीति को स्वीकार करने वाला नहीं है। यह एकजुटता संघर्ष अवश्य और तीव्र होगा।

नया वर्ष 2014 मेहनतकश वर्ग के लिये एक हथियार के रूप में होगा इसमें कोई संदेह नहीं है। यह वर्ष आम चुनाव का वर्ष है। विगत पांच वर्षों के कटु अनुभव से हर वर्ग चाहे वह कर्मचारी हो छात्र हो नौजवान हो महिला हो या कृषक वर्ग, परेशान है। यही समय होगा जब इस देश की तस्वीर को बदला जा सकेगा। हमने 10 वर्षों का यूपीए-2 का कार्यकाल देखा है, हमने इसके पूर्व की भाजपा नीत एनडीए को भी देखा है, परखा है और जो बात स्पष्ट तौर पर उभर कर सामने आया है कि नवउदारवाद की इस जनविरोधी नीति और उनकी समर्थक ताकतों को कुचल कर दफन करना होगा तब ही इस देश का भला होगा अन्यथा नहीं। इसी के साथ-साथ भाजपा के साम्प्रदायिक चेहरे को भी बेनकाब करना होगा नहीं तो देश जाति, भाषा, धर्म और सम्प्रदाय के नाम पर मजदूर वर्ग की तथा अंत में देश की एकता ही विखंडित हो जायेगी। जहां तक देश के 5 राज्यों के चुनाव परिणाम का संबंध हैं भले ही भाजपा इस मुगालते में रहे कि उसका नमो मंत्र चल गया है लेकिन इन राज्यों के चुनाव परिणामों ने एक संदेश यह दिया है कि यूपीए-2 की इस जनविरोधी नीति के कारण जो महंगाई, भ्रष्टाचार, बेरोजगारी बढ़ी है इसके लिये निश्चित रूप से कांग्रेस जिम्मेदार है और चुनाव परिणाम में उसकी ही अभिव्यक्ति हुई है।

बीमा उद्योग की स्थिति के बारे में अवलोकन करें तो हम पाते हैं कि वर्ष 2013 में भी इस उद्योग को कमजोर करने प्रयास जारी है। चाहे वह FDI में वृद्धि करने या बीमा कानून संशोधन विधेयक के माध्यम से आम बीमा में विनिवेश अर्थात् निजीकरण के प्रयास हो। मगर इन सबके बावजूद बीमा कर्मचारियों, अधिकारियों एवं अभिकर्ताओं के एकजुट प्रयास से बीमा उद्योग निरन्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर है। AIIEA के झण्डे तले पिछले 22 वर्षों से बीमा उद्योग की हिफाजत के लिये बीमा कर्मी आन्दोलनरत हैं और सार्वजनिक क्षेत्र के बीमा उद्योग के स्वरूप को बरकरार रखने के लिये प्रतिबद्ध भी हैं। आगामी दिनों में यह संघर्ष हमें और तीव्र करना होगा। AIIEA के 2014 में जो लक्ष्य है वह है बीमा कर्मचारियों को एक आकर्षक वेतन वृद्धि एवं पेंशन का एक और अवसर। निश्चय ही इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिये बीमाकर्मी तन-मन और धन से जुटेंगे नये वर्ष का यह भी एक संदेश होगा। इतना ही नहीं जिस नीति ने देश के मेहनतकश वर्ग के ऊपर सबसे अधिक आक्रमण किया है, उस नवउदारवाद नीति का असर बीमा उद्योग पर भी हुआ है। इसलिये इस नीति को पलटने के सिवाय और कोई विकल्प शेष नहीं रहेगा और इसके लिये 2014 के आम चुनाव को एक हथियार के तौर पर बीमा कर्मचारियों को इस्तेमाल करना होगा और एक ऐसी स्थिति तक पहुंचने में योग देना होगा जिससे पूंजीपरस्त साम्राज्यवादी कांग्रेस और साम्प्रदायिक ताकत भाजपा दोनों सत्ता की पहुंच से दूर हो सके।

आईये, हम पुन: वर्ष 2014 का गर्मजोशी के साथ स्वागत करते हुए यह सुनिश्चित करें कि हम एक बीमा कर्मी के साथ-साथ देश के एक जिम्मेदार नागरिक भी हैं और इसलिये बीमा उद्योग के साथ-साथ अन्य इस देश की आर्थिक, राजनैतिक संप्रभुता व एकता की हिफाजत के संघर्ष में और अधिक प्रतिबद्ध भूमिका निभाने अपने को समपर्ति करेंगे, इसी के जरिये नववर्ष का सही मायने में अभिनंदन होगा।

क्रांतिकारी अभिवादन के साथ,

आपका साथी

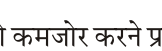

(बी. सान्याल)
महासचिव

नववर्ष का हार्दिक अभिनंदन

मुद्रक : आकार क्रियेशन, फूल चौक, रायपुर (छ.ग.)